



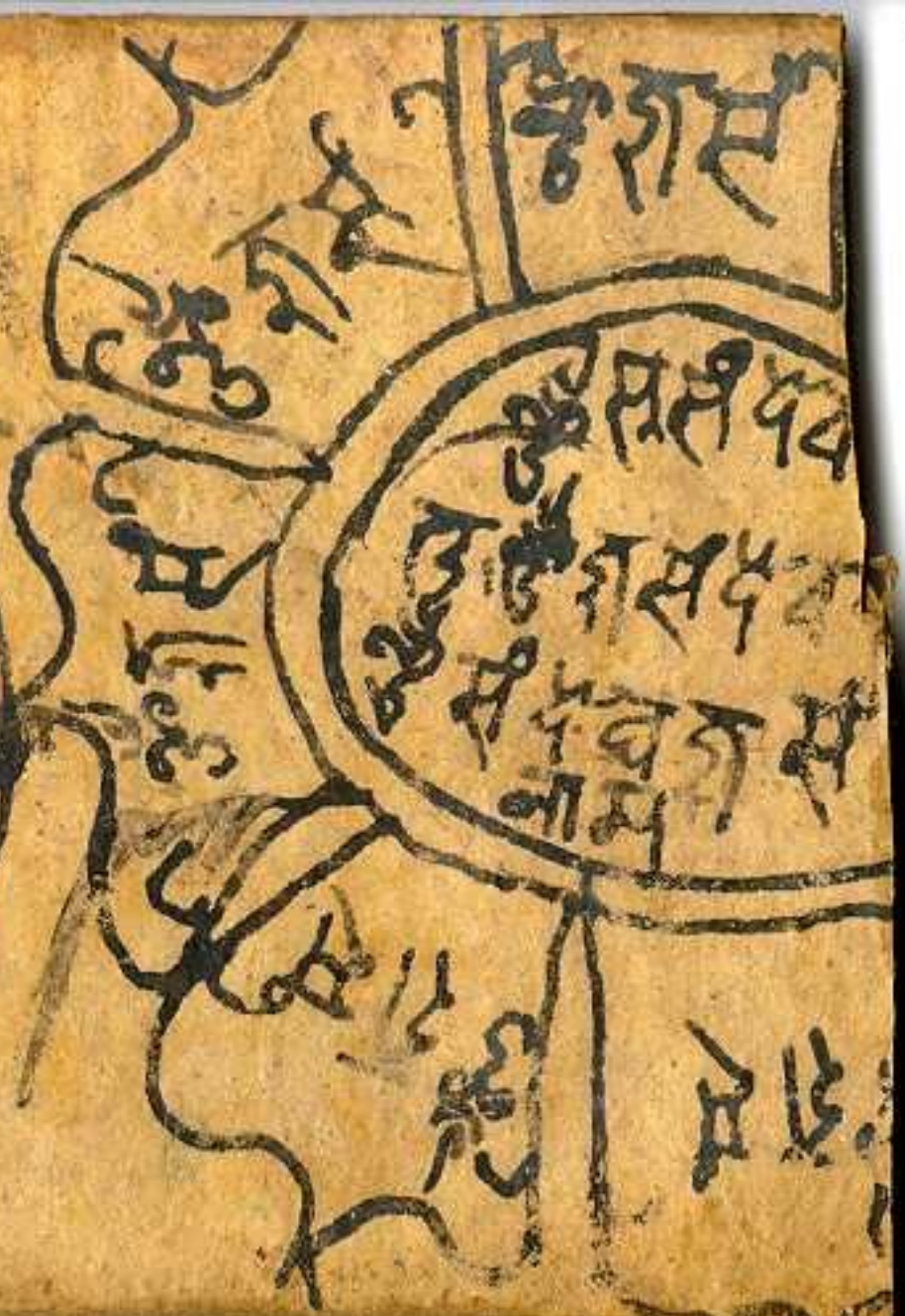
मृद्वर्ज
सुतथा ग
वृत्तमात्रा
शतासत्रि
रसुधिया
यवताव
शो वंवासे
तावेज्ञा ॥



असुद्धसुधया
लगातवननवीप
गावृज्ञायाम ॥

ॐ ॐ ॐ		
कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण
वृद्धन	आनन्द	हृदय
सुख	लह	स्य
मात्र	या	क
नारि	सथुन	विज्ञा
अन	विज्ञा	य
मह	क	



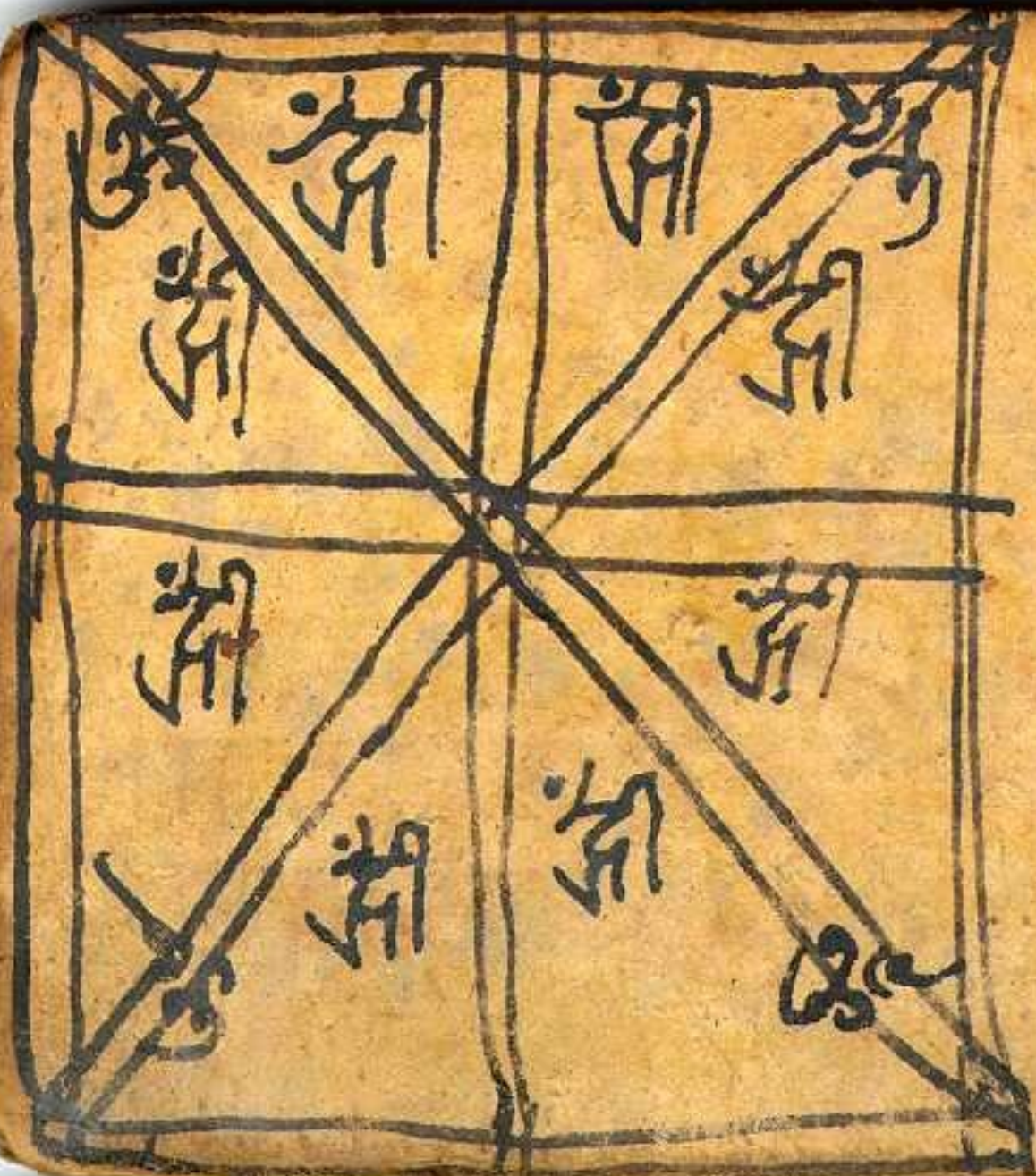


ककुम। एम गा वन्य नन। सत्र व
 प्रम। थव कुवा या डा। म वा ता क
 तत्रा विप्र। सता यान। रि। ता व
 न। शत्रु न ता रु सन। गन्धर्व न। ना
 गन। कल खन। थती सन। व
 न। मरु यक। तत्रा॥ विधिग
 ह। प्रजा या य मा त॥

४। या त ३। क। छ। य। त। क। ९। थ। ति।
 वन। य। ग। न। को। क। ल। ख। स। र। स।
 अ। श। न। व। य। क।

ककुन। एम गा वन्य नन। सत्र व
 प्रम। थव कुवा या डा। म वा ता क
 तत्रा विप्र। सता यान। रि। ता व
 न। शत्रु न ता रु सन। गन्धर्व न। ना
 गन। कल खन। थती सन। व
 न। मरु यक। तत्रा॥ विधिग
 ह। प्रजा या य मा त॥

४। या त ३। क। छ। य। त। क। ९। थ। ति।
 वन। य। ग। न। को। क। ल। ख। स। र। स।
 अ। श। न। व। य। क।



ॐ: श स द व द न

ॐ: श स द व द न

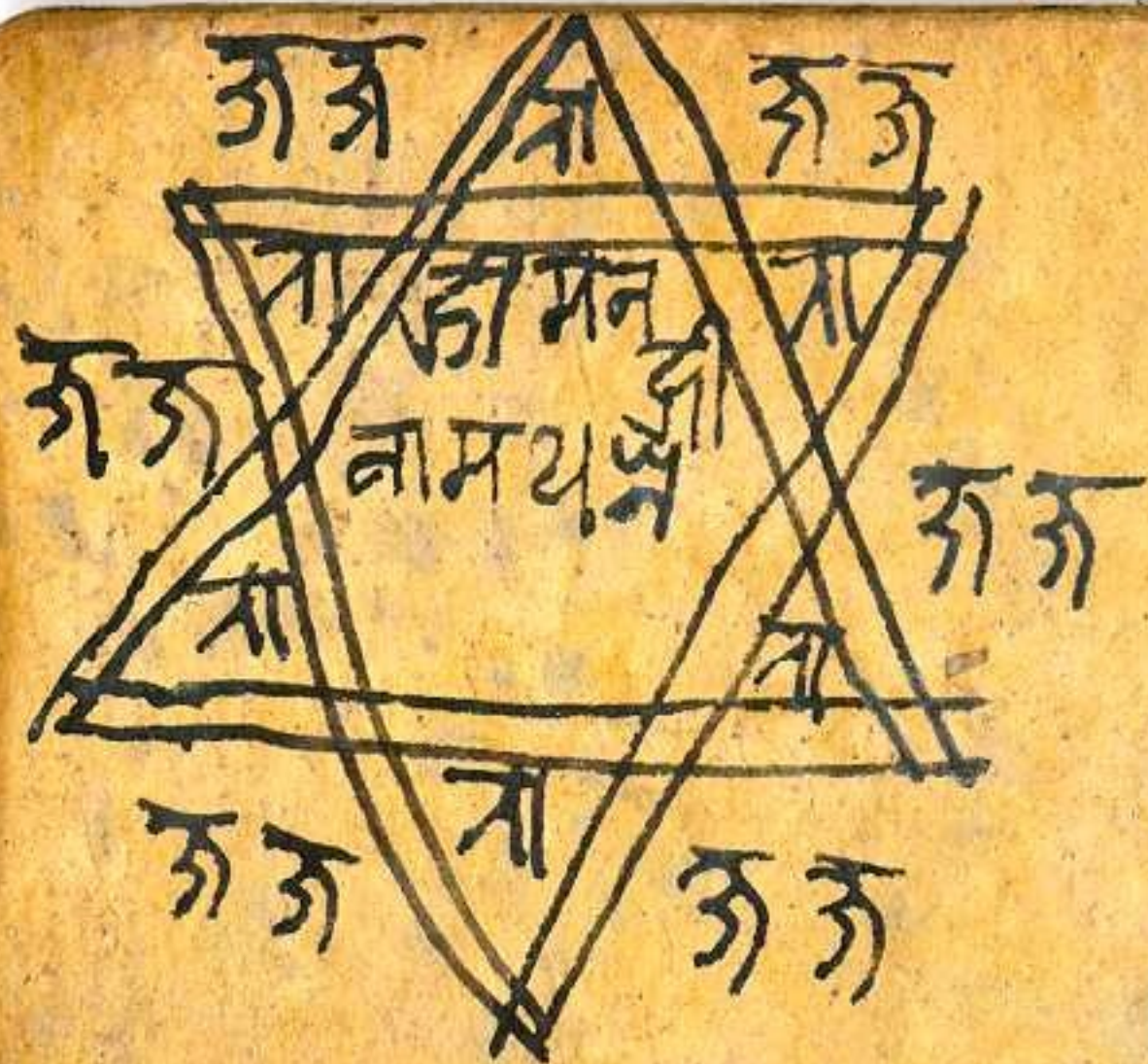
ॐ: श स द व द न

क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न

क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न
 क क म न ग ग व द न



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 वृत्तं संपाद्य ता
 न्नाथं नमस्कृत्य
 यन्मन्त्रं गायन्
 मां तूतिं सक्तिं दे
 दा ॥



ऊँ मन्त्र गन्तव्यं
 न न लक्ष्यं यत्तु स्थितं
 च सद्यः कर्म मन्त्रः
 उच्चैः श्रुतं सत्त्वगुणैः
 तत्कर्म वाचा संयुक्तं
 यायेत् कर्म वाचा संयुक्तं
 सत्त्वगुणैः ॥ ४

तत्कर्म वन्दनं ॥ ३
 सत्त्वगुणैः ॥ ४
 न न लक्ष्यं यत्तु स्थितं
 च सद्यः कर्म मन्त्रः
 उच्चैः श्रुतं सत्त्वगुणैः
 तत्कर्म वाचा संयुक्तं
 यायेत् कर्म वाचा संयुक्तं
 सत्त्वगुणैः ॥ ४

ऊँ मन्त्र गन्तव्यं
 न न लक्ष्यं यत्तु स्थितं
 च सद्यः कर्म मन्त्रः
 उच्चैः श्रुतं सत्त्वगुणैः
 तत्कर्म वाचा संयुक्तं
 यायेत् कर्म वाचा संयुक्तं
 सत्त्वगुणैः ॥ ४



ॐ ॐ अ (गणनं यन्त्रन
 इति वगुं सथ वक्र धौ
 स्थी गोलारस द्वा यसा
 कि निरीय ग विनयस्य
 नै गदिती इ ज म यात
 नै वा वि य ॥

ककुम, अत्र च मन ग्रास्य
 इति वगुं सथ वक्र धौ सथ स कत
 कुन इ वने व मो न सद्या मो क स्याय
 डा, स दा कारी मा त स्या क या त गु इ ग

प पु मा लू गा या य मा
 सि कु



नाम यडा डी मक वगवा धडा सु ॥ १ ॥ यगव
सिद्धि हो या आ सु ॥ १ ॥ दम्भ देव दोर्य न युद्ध म
स्व म गरी डा ॥

कुका गव वसन सज वग स
यन क वा स्य का ख य क
मिखा स्या क या ग का विय ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ आदि या य सत सत
स सत २ सवा सिता ग व सत
गुय का हा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥



प ॐ सत सत वगवा ग ॥ ॐ ॥
रुत नमः सिद्धि गुरु आ सु ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कु वान का मात्रिय नमः ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
दि गुरु ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
रिं रिं चुपु का रि र व क्त मन्ना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ना सा य २ रुं रुं रुं रुं रुं ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
क ॐ ग र र ख न ते र्य वा य म प्र सा क न ग ॥

उरुतः सुसगलाः कसुः दुतातैरु
त्रखसंदा पकलनकेः विमलस्यस्यम
०॥ सथिः श्यातः चीतः क्वतः क्वरुः कसः
यो यकव्वनके वाक विमलस्यस्यम
०॥ इलोत्रयातः सथिः श्यातः क्वतः
सुतिः स्वाकः उतिरानाता यतिमस्य
नयिकः रिह ॥ ० ॥

उरुतः सुसगलाः कसुः दुतातैरु
त्रखसंदा पकलनकेः विमलस्यस्यम
०॥ सथिः श्यातः चीतः क्वतः क्वरुः कसः
यो यकव्वनके वाक विमलस्यस्यम
०॥ इलोत्रयातः सथिः श्यातः क्वतः
सुतिः स्वाकः उतिरानाता यतिमस्य
नयिकः रिह ॥ ० ॥

पकचक/विक्रयातास ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नेमहासनु ठुंरुउसनेटिदा विचय लो मठुंरुआस
मासकुदया काय अणसु दिने नाने मायने जि
हाहा ॥ ॥ गणपुयाक/तये मातेने मय/वकनजे
तस्य/एयमइ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इजदितरखवयजा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सास्यजवतयतातेक/जेवमुनहाया/तयम
॥ ॐ धनं नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ मितपुकया/खजयनय/पुय/खान ॥ ॥

ना विजयनिशर्व सति ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दिक्कजया ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दिडे-गनगतजनेमय मइरुजा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
य/पुयथने/यतिनास्याय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गितस्य वायिने/कुसितास ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अनपुतिषा/वजाकथ वितन/राजा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यिथी नमो भगवते/इइहातनडइया ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सायतक/सिगन/दिदयाया ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो नमो न

मधेव जल्लुत्तमगिति।

सुसुभासिहोमि

मधेव जल्लुत्तमगिति।

हृदिमा नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the top page. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in Devanagari script, continuing from the top page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the bottom page. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

Handwritten text in a script, likely Hebrew or Aramaic, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is written in dark ink on aged, yellowish-brown parchment. The script is cursive and somewhat stylized, with some characters appearing to be ligatures. The lines are roughly horizontal, following the natural grain of the parchment.



Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines containing multiple characters and some lines starting with a vertical line. The script is a form of the Devanagari alphabet, possibly a historical or regional variant. The text is arranged in a single column on the left page of an open book.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines containing multiple characters and some lines starting with a vertical line. The script is a form of the Devanagari alphabet, possibly a historical or regional variant. The text is arranged in a single column on the right page of an open book.

[illegible]

: ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a double vertical bar (||) indicating a new section or verse. The script is clear and legible.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some lines starting with a double vertical bar (||) indicating a new section or verse. The script is clear and legible.

ᐃᐅᐅᐅᐅᐅ
ᐃᐅᐅᐅᐅᐅ

ᐃᐅᐅᐅᐅᐅ
ᐃᐅᐅᐅᐅᐅ

ᐃᐅᐅᐅᐅᐅ



